Roll No. ……..

DVK–102

नित्यकर्म, देवपूवजन एवं कर्मकाण्ड का वैज्ञानिक स्वरूप

First Semester, Examination, 2018

Time : 3 Hours **Max. Marks :** 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों क, ख, तथा ग में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों का चयन करना है।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. नित्यकर्म को परिभाषित करते हुए, सन्ध्या विधान का उल्लेख कीजिए।
2. गणेशाम्बिका के शोडषोपचार पूजन का उल्लेख कीजिए।
3. पंचदेव कौन हैं ? पंचायतन का विस्तृत वर्णन कीजिए।
4. उपनयन विधान का विस्तृत उल्लेख कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणियाँ लिखिए :

1. महालक्ष्मी पूजन
2. व्रत
3. पर्व
4. संस्कार
5. त्रिकाल संध्या
6. पूजन के द्रव्य
7. विवाह की वैज्ञानिकता
8. संस्कारों की वैज्ञानिकता

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या वाक्य में दीजिए :

1. गायत्री मंत्र में कितने अक्षर हैं ?
2. केशवाय में कौन–सी विभक्ति है ?
3. संध्या में कौन–सा उपसर्ग है ?

4. श्रीपीठे सुरपूजिते किसके लिए कहा गया है ?
5. सभी लोकों की जननी को संस्कृत में क्या कहेंगे ?
6. अचल शद का क्या अर्थ है ?
7. पूर्वाभिमुख का क्या अर्थ है ?
8. पुरुष सूक्त में कितने मन्त्र हैं ?
9. किरीट शब्द का क्या अर्थ है ?
10. अभिषेक शब्द का क्या अर्थ है ?